

Volta

रिचर्ड बेरेनगार्टेन
Richard Berengarten

Marwari / मारवाड़ी

अनुवाद : बसन्त रूंगटा
translated by Basant Rungta

साँझ रो घूमणों

... अब जद सिन्झ्याँ ढलण चाली ...

सूरज देवता, गाल थारा सुर्ख लाल, दिन री सोनल गिन्नी थे,
थारो परस बणावै म्हारी चाम नै आँख्याँ री झीणी परत,
ओर रीढ़ नै उणरी नस, ओर सिहरण लागै म्हारो डील
उन सोनल चमक सँ, ढालो हो थे भर भर कलस जिणसँ
इण समन्दर ओर नगर माथै, जिणसँ हूँ बण जाऊँ आन्धो ।
कदे अठे ऊभी ही कतारों ही कतारों, जकी हूँ जाणू ऊभी हैं हाल भी
मकानाँ न गैलाँ री, जका हा किणी दूसरै सहर रा,
इणरा नीं जिणनै बदल गेस्या थे पूरो को पूरो ।

घूम रह्याँ म्हें समन्दर री पाल । रात रा
मछवारों री नावों त्यार खड़ी निकलण ताँई,
पालाँ बन्धेड़ी, घरघराता इंजिन, टिमटिमाती लालटेण्याँ कूणाँ माथै,
ओर निकल पड़ी सगली नगरी जाणी टैलण समदर री पाल,
बाथों बन्धेड़ा प्रेमी, अकड़ता नोजवान,
मायाँ ओर बापू आइस—क्रीम खाती टाबरी,
निहारता बूढा बैठ्या चाय—दुकानाँ री बेंचों पर,
ओर अँधेरा सँ कलवासी पड़ती डूँगस्याँ लागै आयरी नेड़ी, मिनखावड़ा जिनावराँ दाँई ।

साँझ री मादक झाँई, जकी पसरगी खाड़ी ओर डूँगस्याँ माथै,
कितरो हलवै सी छू लियो थारो हाथ मनै, जियाँ चाणचक ई,
इण मरवण रा परस दाँई, घूमरी हवै म्हारै साथै, पसवाड़े
भस्या नितम्ब, ओछा डग, झूमती चाल,
गैरा काला बाल, लारै खिंचेड़ा, नाजक नाड़, कान्धा
गरमी सँ ताम्बा बरणी, ओर उणरी भूरी बदामी मुलकती आँख्याँ
हूँ पीऊँ थानै ओ झिलमिलाती रोसणी, जियाँ अँगूरी सराब, संगीत जियाँ,
जिण भाँत पीवता रैया उणरा बडगा हजाराँ बरसाँ सँ ।

बिना परकोटै री नगरी, उणरो नाम मुगती,
हालाँकि थारै घावाँ रा निसान उणरी आख्वाँ माँय बणगा धूसर चिकत्याँ
फेर ई, इण बेला जद चानणों ओर उण री उतरती—चढ़ती लहस्याँ
फूट र्थी हलवै—हलवै उणरै मुखड़, बोली बण, गीत बण,
उण रो ई है सदीनों हक इण घाट माथै चालणै रो
थारै उजालै रो साधन ओर रुखालो बण,
एकठो करै बा जिणनै आपरी सावगैरी आँख्याँ माँय
ओर है उणनै लाड भरी आजादी थारै माथै पग धरणै री, एक पातर दाँई ।

प्यारी साँझ, हजारों बरस पुराणी रोसनी थे,
गावो कितरा खुल्ला गला सँ, सोवणी इण लुगाई दाँई,
क्यूँ नीं पूजूँ थारै सलूणापण नै जिण माँय
थे ढाल दिया इण नगर नै, नगरहाला नै, एड़ा साचाँ माँय
जको तरास देवै छू लेवै जिणनै भी, सगली दुनिया नै ?
हूँ दास बणगो हूँ थारो, जे नागरिक नहीं तो भी ।
ओर इतरी तिरस है थानै पीवण री कै भर देस्युँ
म्हारै रोम—रोम नै थारी आभा सँ, आजादी सँ ।

रिचर्ड बेरेनगार्टेन
Richard Berengarten

अनुवाद : बसन्त रूंगटा
translated by Basant Rungta

interLitQ.org